२७.सुचविलेल्या वस्तूच्या प्रतिकृती बनविण्यात जरासुद्धा रस नाही.

विषय - हिंदी

१.हिंदी मे सरल वार्तालाप करता हे|

२.नित्य अनुभवो को हिंदी मे विशद करता हे|

३.हिंदी वर्णो को सही तरीके से उच्चार करता है|

४.छोटी कहानिया सुनता है|

५.मातृभाषा के वाक्य का हिंदी मे अनुवाद करता है|

६.हिंदी के प्रती अभिरुची रखकर हिंदी साहित्य पढता है|

७.हिंदी मे शुभेच्छा संदेश देता है|

८.हिंदी मे पत्र लिखक्रर अपनी बाते लिखता है|

९.हिंदी वाक्य का अर्थ मातृभाषा मे बताता है|

१०.प्रतिज्ञा हिंदी मे सुनाता है|

११.स्वयं के बारे मे हिंदी मे बातचीत करता है.

१२.हिंदी मुहावरो का अर्थ समझकर बताता है|

१३.हिंदी टीव्ही सिरीयल के बारे मे बताता है|

१४.हिंदी वार्तालाप सुनकर हिंदी मे बताता है|

१५.अपनी जरुरी चीजो के नाम हिंदी मे बताता है|

१६.हिंदी कविताए पढता है|

१७.अपने भावो को सरल हिंदी मे बताता है|

१८.शब्द एवं वाक्य सुनकर डोहता है|

१९.हिंदी उच्चार सही तरीके से करता हे|

२०.काव्य पंक्ती सुनकर पुरी कविता सुनाता हे|

२१.सूचक कथा सुंदर और सहज हिंदी मे सुनाता है|

२२.दिए गये सुचनाओ को समझकर आवश्यक कृती को पूर्ण करता हे|

२३.सूचनाओ को सुनकर कृती पूर्ण करता है|

२४.सूचक गीत/कविता सूर और लय के साथ बोलता है|

२५.सूचक गीत सुंदर आवाज मे गाता है|

२६.दिये हुए पाठ्यांश एवं गद्य का वाचन बहोत हि अच्छे ढंग से करता है|

२७.सूचक पाठ्यभाग अनुरूप प्रश्न तयार करता है|

२८.अपनी पसंद के गीत/ कविता समुचित हावभाव और आवाज के साथ सादर करता है|

२९.अपनी पसंद के गीत/ कविता स्पष्ट उच्चार एवं उचित कृती के साथ सादर करता है|

३०.पाठ्यभाग का संवाद योग्य हावभाव व अभिनय के साथ सादर करता है|

३१.पाठ्यभाग का संवाद योग्य अभिनय के साथ बोलता है|

३२.दिये हुए चित्र एवं घटना सुयोग्य क्रम से लागता है|

३३.दिये गये पाठ्यांश एवं परिच्छेद का योग्यरूप से अनुलेख्न करता है.

३४.दिये गये पाठ्यांश एवं परिच्छेद का सुंदर हस्ताक्षर मे आकर्षक अनुलेख्न करता है|

३५.चित्र देखकर स्वयं कि शैली मे लेखन करता है|

३६.चित्र देखकर सुंदर भाषा मे चित्र प्रती जानकारी रखता है|

३७.दिये गये विषय अनुसार खुद कि भाषा मे लेखन करता है|

३८.दिये गये विषय अनुसार लेखन आकर्षक व सहजतापुर्वक करता है|

३९.मुहावरे एवं समानार्थी विरुद्धार्थी शब्द का यथायोग्य लेखन करता है|

४०.दिये गये उपक्रम मे सहभाग लेकर उपक्रम पूर्ण करता है|

४१.दिये गये उपक्रम मे प्रत्यक्ष सहभाग लेता है|

४२.उपक्रम मे अन्य को मार्गदर्शन करता है|

४३.उपक्रम मे सहभाग लेकर सबसे अच्छी कृती करता है|

४४.उपक्रम मे पूर्ण रूप से सहभाग लेता है|

४५.उपक्रम मे सबसे मैत्रीपूर्ण व्यवहार करता है|

४६.उपक्रम मे सहभाग लेकर सबको दिशा बताता है|

४७.उपक्रम मे सबकी प्रशंसा को पात्र होता है|

४८.उपकें मे सभी कृती प्रशंसनीय रूप से पूर्ण करता है|

४९.प्रकल्प कि रचना बहोत हि आकर्षक है|

SandeepWaghmore.in